जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्वयक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 21 जुलाई 2020

जामिया के प्री-प्राइमरी और एलीमेंट्री स्कूल टीचरों का आॅनलाइन टीचिंग और एसेस्मंट क्षमता विकास प्रशिक्षण शुरू

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्री-प्राइमरी और एलीमेंट्री के स्कूल शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय ऑनलाइन वर्कशाप आज से शुरू हुई। इसका उद्देश्य शिक्षकों को ऑनलाइन टीचिंग और असेस्मन्ट की क्षमता से लैस करना है।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो नजमा अख्तर ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि मौजूदा समय में शिक्षा पद्धति अभूतपूर्व बदलाव के दौर से गुज़र रही है। शिक्षा के तीन आर- रीडिंग, राइटिंग और अरिथमैटिक - में चैथा आर शामिल हो रहा है और वह है, रिथिंक । अब हमारे लिए सवाल यह हैः हम इस बदलाव के मोड़ पर शिक्षा पद्धति के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कैसे कर सकते हैं? इन सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए यह महसूस किया गया कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया को अपने शिक्षकों को इस कठिन समय के दौरान छात्रों को निरंतर मार्गदर्शन और पोषण करने के लिए, समय के अनुरूप सक्षम बनाना होगा।

जामिया की फैकल्टी आॅफ एजुकेशन के डीन प्रोफेसर एजाज़ मसीह ने अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में कहा कि वर्तमान समय में, शिक्षकों को समय के अनुरूप खुद की क्षमता को विकसित करना ज़रूरी है। नई प्रौद्योगिकियां स्कूलों में प्रथाओं को बदलने के तरीके खोल रही हैं। शिक्षा पद्धति और संस्कृति में भी बड़े बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि नयी प्रौद्योगिकी से लैस टीचर अपने और अपने छात्रों दोनों के लिए लाभकारी होंगे।

वर्कशाप के आज के सत्रों का संचालन प्रोफेसर इंदु कुमार (सीआईईटी), डॉ राजेश कुमार (पिं्रसिपल डीआईईटी, दरियागंज), प्रोफेसर अनुपम आहूजा (एनसीईआरटी) और डॉ काज़िम नक़वी (कार्यवाहक निदेशक, सीआईटी, जेएमआई) द्वारा किया गया।

इसका आयोजन जामिया मिल्लिया इस्लामिया का एजुकेशन स्टडीज़ विभाग कर रहा है। जामिया मिल्लिया के विभिन्न स्कूलों के 100 से अधिक प्री-प्राइमरी और एलीमेंट्री स्तर के टीचर प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे हैं।

कार्यशाला का समन्वय जामिया की फैकल्टी आफ एजुकेशन के आईएएसई से डॉ सविता कौशल और डॉ एरम खान ने किया।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक